(जीसस), पैगम्बर ईसा (उन पर अल्लाह का समाधान हो) कहता हे के:

निस्संदेह अल्लाह ही मेरा भी " रब " हे

और तुम्हारा भी " रब ", तो उसी की बंदगी करो। यह सीधा मार्ग हे।

(कुरआन 3 :51)

अल्लाह स्वतन्त्र हे।

दूसरे कायनात के जैसे अल्लाह को किसी से मदद नहीं चाहिए ,अल्लाह निराश्रय हे। सब अल्लाह पर आश्रित है।

क्यों के उस ने सब को मदद करता हे,खुदा को हम्हारी आराधना भी नहीं चाहिए हम हम्हारे लिए खुदा को आराधन करते हे, यह बंदगी हे।

आराधना करना

खुदा हम्हारे मालिक हे अल्लाह को आराधना करना हम्हारे लिए एक अनुग्रह हे। यह अनुग्रह अल्लाह ने हम को दिया हे।

इस अनुग्रह से हम को शांती मिलता हे। और मरने के बाद अल्लाह के अनुग्रह से हमें स्वरग दिया जायेगा

इस्लाम

इस्लाम कोई जबरदस्ती मज़हब नहीं हे।

अल्लाह ने सत्य और असत्या को इस्लाम के तौर पर हमें विभाजित कर के दिया हे। अल्लाह अत्यन्त क्रपशिल और दयावान हे।

सत्य और असत्या बहुत स्पष्ट हुवा हे -सच को चूनना इंसान का फ़रज़ होता हे।

इस्लाम मानवजाति के लिए अल्लाह का सन्देश हे।

भाषांतर: डॉक्टर सय्यद अल-काजीमी

इस्लाम सच हे

अल्लाह कोन हे?

[Who is Allah?]

अल्लाह के नाम से ,जो अत्यन्त क्रपशिल और दयावान हे।

अल्लाह कोन हे ?

क्या अल्लाह सिर्फ़ मुसलमानो का खुदा हे ?
नहीं, अल्लाह मुसलमानो का खानदानी खुदा नही हे।
अल्लाह दुनिया के हर कायानात और चीज़ो का खुदा हे।
अल्लाह सब चीज़ो को पैदा किया और पालता हे।
अल्लाह सब लोगो के आवश्य की पूरती करता हे।
जो उसे खुदा मान कर स्वीकार किया और जो उसको स्वीकार न किया सब अल्लाह के बन्दे हे और सब को अल्लाह इस दुनिया में सहायता देता हे अल्लाह अत्यन्त क्रपशिल और दयावान हे।

क्यों अल्लाह का कोई सूरत ओर तस्वीर नही हे ?

अल्लाह न दीखि हुवी खालिक़ (स्रष्टा) हे क्योंकी उसे हम्हारे आंखो से नहीं देख सकता उस का कोई रूप होना असंभव हे, रूप होना सर्वशक्तिमान का विरोध हे।
दूसरे चीज़ो के जैसे अल्लाह का रुप मनुष्य के दिल के अंदर नही रह सकता अलल्लाह का कोई रुप बनाना ओर तसवीरे खींचना असाद्ध्य है।
क्योंकि खुदा परिपूर्ण हे,
कोई रूप में टपकना परिपूर्णता का विरोध हे।
खुदा का अवतार होना और रुप बनाना ईसलाम मे निषिद्ध किया गया है और ये बहुत बडा पाप हे।
क्यों के अलल्लाह का कोई बराबर होना ओर सादृश्य होना असंभव हे।
अलल्लाह की एकता ही ऊस की पवित्रता है।
अलल्लाह सरवशकत हे। ऊस की पूरणता में अवतारो की कोई आवशयकता नही हे। क्यों अवतारो को आराधना करना है, जब साक्शाल खुदा ही सर्वशक्ति से अपने सामने मौजूद हे ?

अल्लाह पुरुष हो या स्त्री हो ?

क्यों अल्लाह को पुल्लिंग रूप में कहा जाता हे ?
क्या अल्लाह पुरुष हे ? कभी कभी मनुष्य को सन्देह होगा कि खुदा पुरुष हो या स्त्री ? खुदा अपने परिपूर्णता में ही रहता हे कोई लिंग में रहना उसकी परिपूर्णता का विरोध हे खुदा को पुल्लिंग रूप मे कहना केवल एक भाषा प्रयोग हे.

अल्लाह की एकता

अल्लाह एक हे, एकता उसकी परिपूर्णता हे।
सर्वशक्तिमान एक ही होना चाहिए अगर खुदा एक से अधिक हो तो कोनसा खुदा सर्वशक्तिमान होगा ?
एक से अधिक खुदाओ पर विश्वास करना एकता का विरोध हे।

परिशुदा खुरान में खुदा का नाम अल्लाह रखा गया हे।

अल्लाह का अर्थ :

अल्लाह एकही खुदा हे, जो सर्वशक्तिमान हे, वह अपनी एकता और परिपूर्णता पर स्थित हे। उसका बराबर कोई नहीं हे, अल्लाह ही सब का खुदा हे उस के अलावा कोई खुदा नहींहे।
अल्लाह सिर्फ प्रेम नहीं हे बल्की " हर प्रेम " हे (आलवदूद हे),
अल्लाह ने आसमान, भूमि और सारे कायनात को अपने प्रेम से पैदा किया, हर चीज़ में उस का कारुण्य हे, सब उसका प्रेम हे।

अल्लाह अत्यन्त क्रपशिल हे।

अल्लाह जुर्म को नफरत करता हे और तौबत करने वाले, मुजरिम को अपने कृपा से माफ़ कर देता हे।
अल्लाह मुजरिम को तौबत करने का मौका देकर नेक रास्ते पर चलनेकी सुविधा भी देता हे।
तब अल्लाह का अत्यंत प्रेम (चरम प्यार) अपने बंदों पर टपकताहे ,

अल्लाह को कौन पैदा किया ?

अल्लाह को कोई भी पैदा नहीं कर सकता क्यों के वह खुदा हे।
अल्लाह ने समय और जगह को पैदा किया, हर कायनात ये दोनों पर अवलम्ब हे।
बलके पैदा करने वाला ,खुदा; किसी पर अवलम्ब नहीं हो सकता इसलिए अल्लाह को कोई पैदा नहीं कर सकता हे।
पैदा करने वाले खुदा को कोई दूसरा खुदा पैदा कर सकता क्या ?
ये सवाल का जवाब हरगिज़ नहीं मिलेगा ! क्यों के सवाल का कोई अन्त नहीं होगा !
अल्लाह उस का ही स्थान पर स्थित हे कि कोई भी दूसरा उस का बराबर हरगिज़ नहीं होगा.

अल्लाह का कोई बेटा बेटी हे?

अल्लाह का कोई बेटा बेटी होना उस के वयक्तित्व के खिलाफ हे।
अल्लाह सब कुछ कर सकता हे इसलिए अल्लाह परिपूर्ण हे कोई अपरिपूर्णतः उसे नहीं हो सोसकता।
बेटा बेटी होना खुदा का विशेष नहीं हे ये सब सृष्टि का विशेष हे, क्यों के खुदा संपूरण हे। अल्लाह कुरआन शरीफ में फरमाता हे :
" और कहो: प्रशंसा अल्लाह के लिए हे, जिसने न तो किसीको अपना बेटा बनाया और न कोई राज्य में उस का सहभागी हे "
(कुरआन :17.111)
" और उनको सचेत कर दो जो कहते हे: अल्लाह ने बेटा बनाया हे "
(कुरआन :18.4)